



विपक्ष व सत्ता पक्ष, दोनों के लिए चेतावनी हैं, उपराष्ट्रपति के चुनाव के नतीजे

विपक्ष के लिए कष्टदायक बात यह है कि, नवीन पटनायक की बीजेडी, तेलंगाना की बी. आर. एस. व पंजाब का अकाली दल अभी भी भाजपा की “बी” टीम जैसे ही काम कर रहा है

- रेनु मि्तल -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली 9 सितम्बर। भाजपा के सी. पी. राधाकृष्णन भारत के नए उपराष्ट्रपति बने हैं। उन्होंने जगदीप धनखड़ की जगह ली है, जिन्होंने रहस्य और संरमैस के बीच अज्ञात कारणों से पद छोड़ दिया था।
एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन की इस चुनावी जंग में एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को 452 वोट मिले, जबकि विपक्षी खेमे में क्रॉस वोटिंग की खबरें रही।
विपक्षी सांसद पूरी तरह मौजूद रहे और सभी 315 सांसदों ने वोट डाला। लेकिन विपक्ष को केवल 300 वोट मिले। 15 वोट अमन्य हो गए और क्रॉस वोटिंग की चर्चा भी रही।
शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, कम से कम 15 विपक्षी सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की।
फिर भी विपक्ष के लिए अच्छी

- इन पार्टियों ने, पहले की भांति वोट न करने का निर्णय लेकर, भाजपा को मूक समर्थन दिया है।
- भाजपा के लिए भी चिन्ता का विषय है कि, कई पार्टियां एन. डी. ए. से दूर होती जा रही हैं, और जो भाजपा के साथ बनी हुई हैं, वे मन से साथ नहीं, किसी न किसी मजबूरी के कारण जुड़ी हुई हैं।
- चर्चा है कि, भाजपा और तेलुगुदेशम पार्टी के बीच सम्बंध “ठीक” नहीं है और कभी भी विस्फोट हो सकता है।
- विपक्ष, पर इस बात से खुश हैं, कि उसके उम्मीदवार को इस बार जितने वोट मिले,अब तक किसी उपराष्ट्रपति चुनाव में नहीं मिले। पिछले उपराष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवार मारग्रेट अल्वा, अब तक के सबसे कम वोट मिले, तथा एन. डी. ए. के उम्मीदवार धनखड़ को अब तक के अधिकतम वोट मिले थे।
- हालांकि, भाजपा ने अपने प्रत्याशी को जिता तो लिया, पर गत चुनाव की तुलना में उसके प्रत्याशी को मिले वोट कम हुए हैं।

खबर यह रही कि उसे किसी भी उपराष्ट्रपति चुनाव में अब तक के सबसे ज्यादा वोट मिले, जबकि पिछले चुनाव में विपक्ष (मारग्रेट अल्वा) को सबसे कम और एनडीए (जगदीप धनखड़) को सबसे ज्यादा वोट मिले थे।
नवीन पटनायक की बीजेडी, तेलंगाना की बीआरएस और पंजाब के

अकाली दल ने मतदान से दूरी बनाई। इस वजह से उन पर आरोप लगा कि वे भाजपा की ‘बी टीम’ हैं और पहले की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयर इंडिया व इंडिगो ने नेपाल की उड़ानें रद्द की

नयी दिल्ली, 09 सितंबर। नेपाल में बिगड़े हालात के मद्देनजर भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने काठमांडू के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं।
टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि एयरलाइंस ने दिल्ली और

- काठमांडू की कानून व्यवस्था की स्थिति तथा हवाई अड्डा बंद किए जाने के कारण यह कदम उठाया गया।

काठमांडू के बीच आज की अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि एयरलाइंस स्थिति पर नजर रखे हुये हैं और आगे अपडेट साझा किये जायेंगे। एयर इंडिया की दिल्ली से काठमांडू के लिए आज चार उड़ानें थीं, जिन्हें रद्द कर दिया गया। वापसी की उड़ानें भी रद्द कर दी गयी हैं।

किफायती विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में बताया कि उसने काठमांडू में मौजूदा स्थिति और वहां (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन. डी. ए. के प्रत्याशी सी पी राधाकृष्णन भारत के नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित

राधाकृष्णन को 452 और विपक्ष के प्रत्याशी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -
नई दिल्ली, 9 सितम्बर। तीन दलों के बारह सांसदों ने उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूरी बनाए रखी।
मंगलवार को उप-राष्ट्रपति पद के लिए मतदान चल रहा था, जिसमें सांसदों को एनडीए के सी.पी. राधाकृष्णन (महाराष्ट्र के राज्यपाल) और इंडिया ब्लॉक के जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी (सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश) के बीच चयन करना था।
ज्ञातव्य है कि तीन राजनीतिक दलों ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वे इस चुनाव का बहिष्कार करेंगे। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के कारण हुआ।
ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अगुवाई वाली बीजू जनता

- चर्चा रही कि 19 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की है। क्रॉस वोटिंग की चर्चा ने विपक्ष की एकजुटता के दावों की हवा निकाल दी
- बीजू जनता दल, बी आर एस और शिरोमणि अकाली दल के 12 सांसदों ने मतदान का बहिष्कार किया।
- बीजू जनता दल के पाले में 7, बी आर एस के चार और अकाली दल के खेमे में एक सांसद हैं।

दल (बीजेडी) ने घोषणा की कि उनके सांसद उप-राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं करेंगे।
पार्टी ने कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस-नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक, दोनों से "समान दूरी बनाए रखने" की नीति के तहत लिया गया है। बीजेडी के पास राज्यसभा में

सात सांसद हैं - निरंजन बिशी, सुलता देव, मुजीबुल्ला खान, सुभाशीष खुट्टिया, मानस रंजन मंगराज, समित्त पात्रा, और देबाशीष सामंतराया। लोकसभा में पार्टी का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।
तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी के बाद राहुल भी पंजाब, हिमाचल का दौरा करेंगे

नयी दिल्ली, 09 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी बाढ़ प्रस्त हिमाचल और पंजाब का दौरा करेंगे।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, गांधी की यात्रा का समय अभी निश्चित नहीं हुआ

- दौरे की तिथि अभी तय नहीं है, पर यह इसी सप्ताह होगा।

है, लेकिन वे इसी सप्ताह हिमाचल प्रदेश और पंजाब जाएंगे और वहां बाढ़ पीड़ितों से भी मुलाकात करेंगे।
सूत्रों ने बताया कि गांधी बाढ़ की स्थिति पर बराबर नजर रखे हुए हैं और उनका कहना है कि वे पीड़ितों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उनका कहना था कि गांधी बाढ़ की स्थिति को लेकर बराबर हिमाचल सरकार के संपर्क में हैं। यह पूछने पर कि क्या गांधी बाढ़ पीड़ित उत्तराखंड भी जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि इसकी अभी उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

ब्लूटूथ से नकल करने वाले को जमानत नहीं

जयपुर, 9 सितंबर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1 महानगर द्वितीय ने राजस्व अधिकारी और अधिशाषी अधिकारी भर्ती-2022 परीक्षा में नकल करने वाले आरोपी ओमप्रकाश कस्वां को जमानत पर रिहा करने से इन्कार कर दिया है। पीठासीन अधिकारी बीएल चंदेल ने अपने आदेश में कहा कि परीक्षा के समय आरोपी ने ब्लूटूथ के जरिए नकल कर परीक्षा की दी थी। वर्तमान में ऐसे प्रकरण बढ़ ते जा रहे हैं और इससे मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है। जमानत अर्जी में कहा गया कि उसे

- ओमप्रकाश कस्वां पर राजस्व अधिकारी व अधिशासी अधिकारी भर्ती-2022 परीक्षा में नकल करने का आरोप है।

प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। वह इस परीक्षा में परीक्षार्थी ही नहीं था और ना ही यह परीक्षा उसने पास की थी। इसके अलावा किसी अभियुक्त की सूचना मात्र के आधार पर प्रार्थी को घटना में लिप्त किया जाना उचित नहीं है। प्रकरण के कई आरोपियों को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है, ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यह विरोध सत्ता में बैठे और पूर्व राजनीतिक नेताओं के प्रति गुस्से और घृणा का तीव्र जनप्रदर्शन है। अब यह

नेपाल के प्र.मंत्री ने इस्तीफा दिया, सेना के हैलीकॉप्टर में भागे

नेपाल के मंत्रियों ने भी इस्तीफे दिए और कहा, सरकार के साथ खड़े रहना संभव नहीं

- जाल खंबात -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली 9 सितम्बर। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने मंगलवार को रातक भ्रष्टाचार-विरोधी प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि देश की सड़कों पर अराजकता फैल गई थी।
सैकड़ों लोग प्रशासन में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद (यानी शक्तिशाली पदों पर बैठे लोगों के बच्चों को अनुचित लाभ दिए जाने) के खिलाफ नारे लगाते हुए सड़कों पर उतर आए।
यह घटनाक्रम गत दो दिनों की हिंसक झड़पों के बाद सामने आया, जिनमें 19 लोग मारे गए। जैनेरेशन ज़ी द्वारा शुरू किए गए इन प्रदर्शनों की शुरुआत सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध से हुई थी, लेकिन बाद में इनका केंद्र भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध और ओली के इस्तीफे की मांग बन गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी इमारतों के

- सोमवार को ही ओली की तरफ से कहा गया था वे इस्तीफा नहीं देंगे और सोशल मीडिया से बैंन भी नहीं हटाएंगे, इसके बाद जनक्रोश और भड़क गया। उग्र युवाओं ने राष्ट्रपति पौडेल और प्रधानमंत्री ओली के निजी आवासों में आग लगाई।
- कई मंत्रियों को पीटा गया, पूर्व मंत्रियों व नेताओं को भी जनता बख्श नहीं रही है।

साथ ही प्रधानमंत्री ओली और राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के निजी आवासों को भी आग के हवाले कर दिया।
प्रधानमंत्री ओली के सहयोगी प्रकाश सिलवाल ने रॉयटर्स को बताया कि प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। ओली को एक सैन्य हेलीकॉप्टर से काठमांडू छोड़ते हुए देखा गया।
मंगलवार सुबह ओली ने सभी नेपाली राजनीतिक दलों की एक बैठक की अध्यक्षता की और कहा, “हिंसा राष्ट्र के हित में नहीं है।” उन्होंने कहा, “हमें शांतिपूर्ण संवाद के जरिए इस समस्या

का समाधान सुनिश्चित करना होगा।”
आन्दोलनकारी प्रधानमंत्री ओली का इस्तीफा मांग रहे थे।
हालांकि, नेपाल में प्रधानमंत्री का इस्तीफा देने का मतलब यह नहीं है कि सरकार स्वतः गिर गई है। ओली नेपाल के कार्यकारी प्रमुख थे, लेकिन सरकार के प्रमुख राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल हैं। एन.टीवी को सूत्रों ने बताया कि अब देखना यह है कि राष्ट्रपति पौडेल भी इस्तीफा दें और सरकार पूरी तरह से गिर जाए।
फिलहाल, नेपाल सरकार का

और कानून के अभाव को दर्शाते हैं।
एक पूर्व मंत्री की पत्नी को ज़िंदा जला दिया गया। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता पुष्प कमल दहाल के घर को आग के हवाले कर दिया गया। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को गुप्तचुप ढंग से देश छोड़कर भागना पड़ा। नेपाल के वित्त मंत्री को पकड़ कर सड़कों पर घसीटा गया। अन्य नेताओं को भी खदेड़ दिया गया। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भविष्य अनिश्चित बना हुआ है।
नेपाल के मंत्रियों ने यह कहते हुए इस्तीफा देने शुरू कर दिया कि- “सरकार के साथ खड़ा रहना अब संभव नहीं।”

नेपाल के मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ ने मंगलवार को कहा था कि प्रधानमंत्री ओली इस्तीफा नहीं देंगे, हालांकि काठमांडू में लगातार दूसरे दिन बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे थे - पहले सोशल मीडिया ऐप्स पर प्रतिबंध और फिर भ्रष्टाचार के खिलाफ। इस बीच कुछ मंत्रियों ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।
हालांकि बाद में दिन में ओली ने जनता के दबाव में आकर इस्तीफा दे दिया।

प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए सार्वजनिक सभा पर लगी रोक को नज़रअंदाज किया और सुबह से ही कालनकी इलाके में टायर जलाकर सड़कों को जाम कर दिया। उन्होंने नारे लगाए “कैपी चोर, देश छोड़” “भ्रष्ट नेताओं पर कार्रवाई करो”। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पीटीआई महेन्द्र विश्वनोई गिरफ्तार

जयपुर, 9 सितंबर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2022 में अपनी जगह डमी परीक्षार्थी बैठाकर अनुचित साधनों से सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले एक आरोपित पीटीआई को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा में अपनी जगह डमी परीक्षार्थी बैठाकर

- डमी परीक्षार्थी बैठा कर शारीरिक शिक्षक परीक्षा पास की थी।

अनुचित साधनों से सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले एक आरोपी, महेन्द्र कुमार विश्वनोई (26) निवासी कापरड़ा, जिला जोधपुर, वर्तमान में (पीटीआई) राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चाडिया नाडी, हनुवंतनगर, शेरागढ़ जिला जोधपुर, को गिरफ्तार किया है।